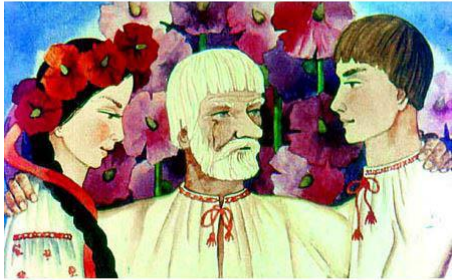
FOSTER FATHER सौतेला पिता



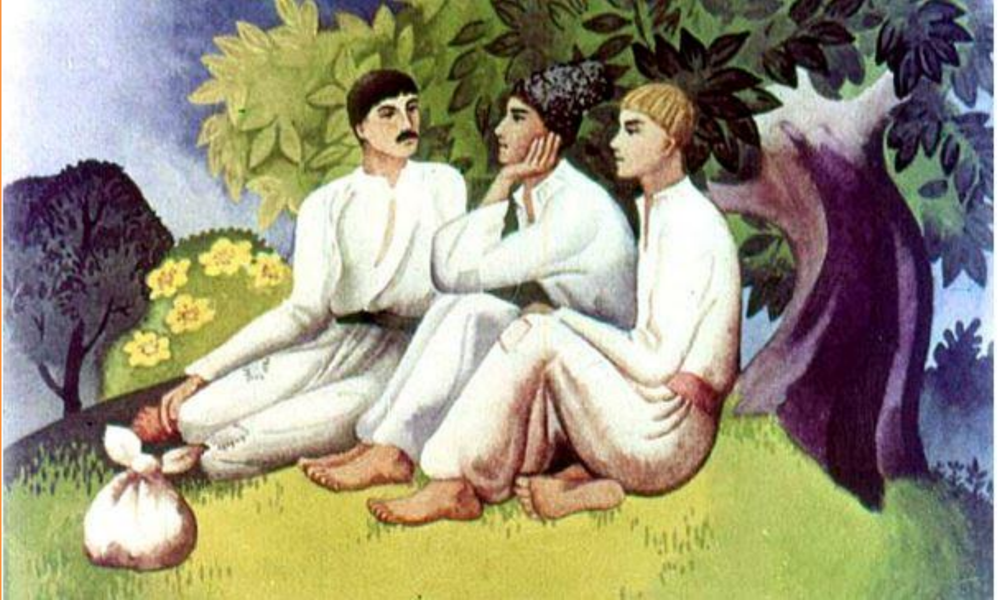
UKRANIAN FOLK TALE

यूक्रेनी की लोक कथा

Illustrations: G. Kisljakova

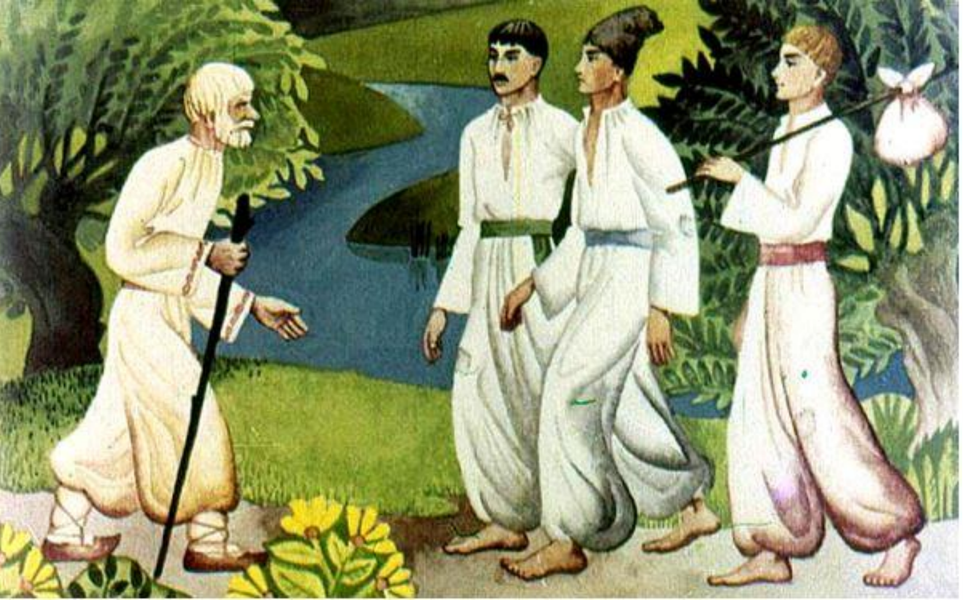
चित्र: जी. किस्लजाकोवा

हिंदी: अरविन्द गुप्ता



There once lived three brothers who lost their mother and father at an early age and had nothing to their name, not a house nor a farm.

तीन भाई थे जिन्होंने कम उम्र में ही अपने माता-पिता को खो दिया था. अब उनके पास कुछ भी नहीं था, न घर और न ही खेत.



One day they set out from home to look for work. They walked and they walked, and they met an old man with a long white beard.

एक दिन वे काम की तलाश में घर से निकले.
वे चलते रहे और चलते रहे. फिर उनकी मुलाकात एक
लंबी सफेद दाढ़ी वाले बूढ़े आदमी से हुई.



"Where are you going, my children?" the old man asked.

"To find someone to take us on as farm hands," the brothers replied.

"Haven't you a farm of your own?"

"No. If only we could find a good man to take us on we would work very hard for him and treat him like our own father."

"If that is what you wish I will be as a father to you," said the old man.

"I will make men of you and teach you the ways of virtue."

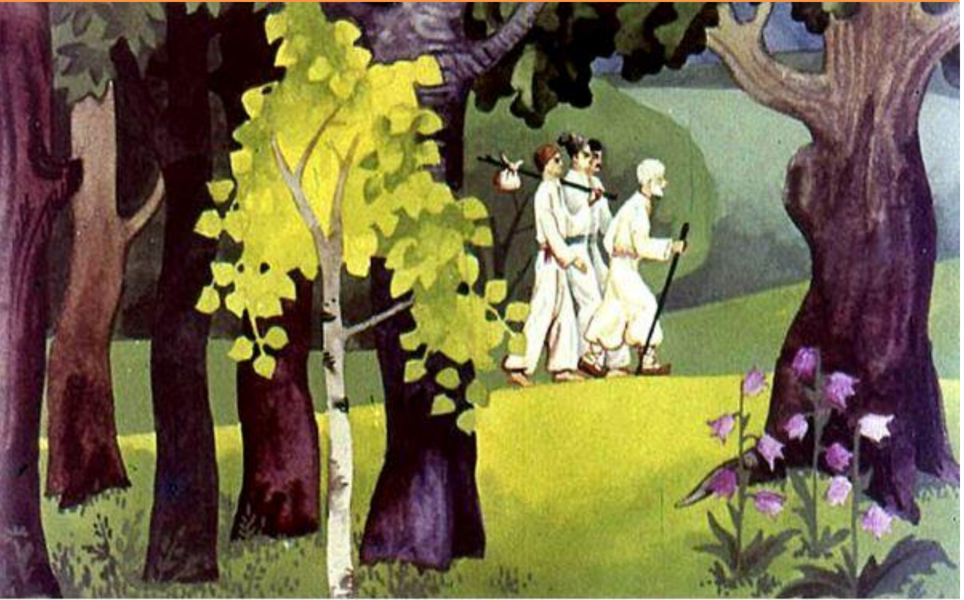
"कहाँ जा रहे हो मेरे बच्चों?" बूढ़े ने पूछा.

भाइयों ने उत्तर दिया, "हम खेती के काम की तलाश में जा रहे हैं."

"क्या तुम्हारे पास अपना कोई खेत नहीं है?"

"नहीं. अगर किसी अच्छे आदमी ने हमें काम दे दिया तो हम उसके लिए बहुत मेहनत से काम करेंगे और हम उसे अपने पिता की तरह मानेंगे."

"अगर तुम यही चाहते हो तो मैं तुम्हारा पिता बनूंगा," बूढ़े ने कहा, "मैं तुम्हें एक अच्छा इंसान बनाऊंगा और तुम्हें सदाचार के मार्ग दिखाऊंगा."



The brothers went with the old man.

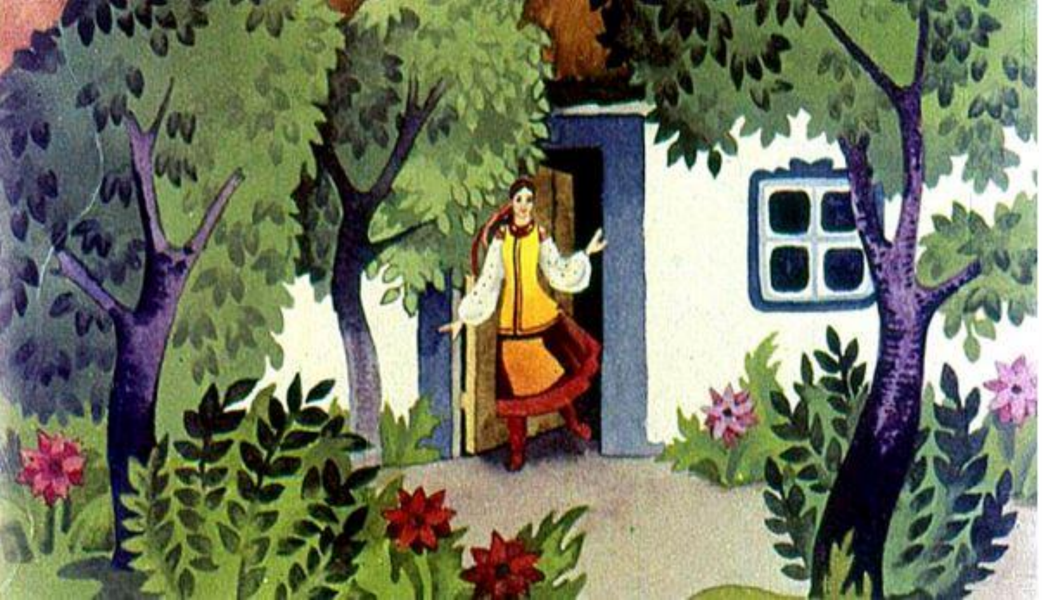
उसके बाद तीनों भाई बूढ़े के साथ चल दिए.



They crossed dark forests and wide

fields and came to a pretty little house.

वे अंधेरे जंगलों और खुले मैदानों को पार
करके एक सुंदर छोटे घर में पहुंचे.



It was surrounded by a cherry orchard and had flowers growing all around it, and as they stood there, a girl who was herself as pretty as a flower ran out of the door.

घर एक चेरी के बगीचे से घिरा हुआ था और उसके चारों ओर फूल उगे थे. और जब लड़के वहां खड़े थे, तो एक लड़की जो खुद एक फूल के समान सुंदर थी, दरवाजे से बाहर निकली.



The eldest brother took one look at her and said:

"I wish I could marry that girl and have a farm of my own and a herd of cattle!"

"Very well, if that is what you wish, my son!" said the old man.

"We'll go matchmaking, and you'll have a wife and a farm of your own and everything to make you happy. Only mind, never must you stray from the path of virtue."

They went matchmaking, the eldest brother married the girl, and after a merry and festive wedding settled' in her house and began farming the land.

सबसे बड़े भाई ने एक नज़र उस पर डाली और कहा:

"काश मैं उस लड़की से शादी कर पाता और मेरा अपना एक खेत और मवेशियों का एक झुंड होता!"

"बहुत अच्छा, अगर तुम यही चाहते हो, मेरे बेटे!" बूढ़े ने कहा.

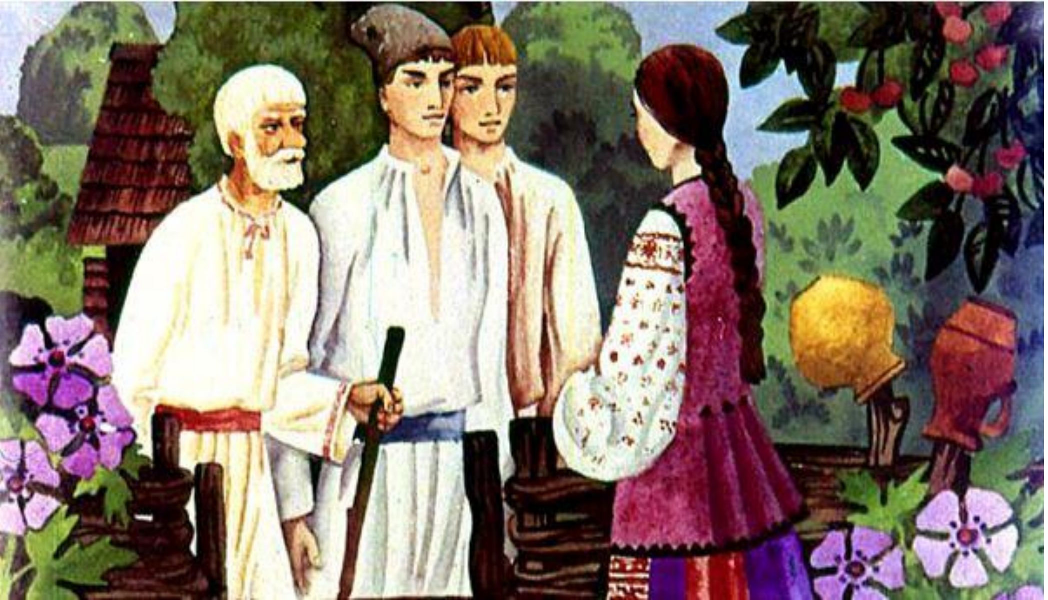
"हम तुम्हारी मंगनी करेंगे, फिर तुम्हारे पास एक पत्नी होगी, अपना एक खेत होगा और तुम्हें खुश करने के लिए सब कुछ होगा. लेकिन तुम्हारा मन कभी सदाचार के मार्ग भटकना नहीं चाहिए."

फिर सबसे बड़े भाई ने उस लड़की से शादी की, और एक आनंदमय और उत्सवपूर्ण शादी के बाद वो उसके घर में बस गया और जमीन पर खेती करने लगा.



And the old man and the two younger brothers went on. By and by they came to a bright new house with a mill and pond beside it.

और बूढ़ा आदमी बाकी दो छोटे भाईयों के साथ आगे गया. कुछ समय बाद वे एक चमकदार नये घर में पहुंचे जिसके बगल में एक चक्की और तालाब था.



There was a pretty girl in the garden, and the middle brother took one look at her and said:

"I wish I could marry that girl and have the mill for my own. I would work there and be very happy."

"Very well, my son, if that is what you want!" the old man said.

बगीचे में एक सुंदर लड़की थी. बीच वाले भाई ने लड़की पर एक नज़र डाली और कहा:

"काश मैं उस लड़की से शादी कर पाता और अपनी खुद की चक्की चला पाता. मुझे उस काम को करके बहुत ख़ुशी मिलती."

"ठीक है, मेरे बेटे, अगर तुम यही चाहते हो!" बूढ़े ने कहा.



They went matchmaking, the middle brother married the girl, and after a merry and festive wedding settled in her house and became a miller.

"Be happy, my son, but never stray from the path of virtue!" said the old man, and he and the youngest of the three brothers went on.

फिर बीच वाले भाई ने उस लड़की से शादी की, और एक आनंदमय और उत्सवपूर्ण शादी के बाद वो भी उसके घर में बस गया और एक चक्की का मालिक बन गया.

"खुश रहो, मेरे बेटे, लेकिन सदाचार के मार्ग से कभी मत भटकना!" बूढ़े आदमी ने कहा. फिर बूढ़ा और सबसे छोटा भाई आगे बढ़ गए.



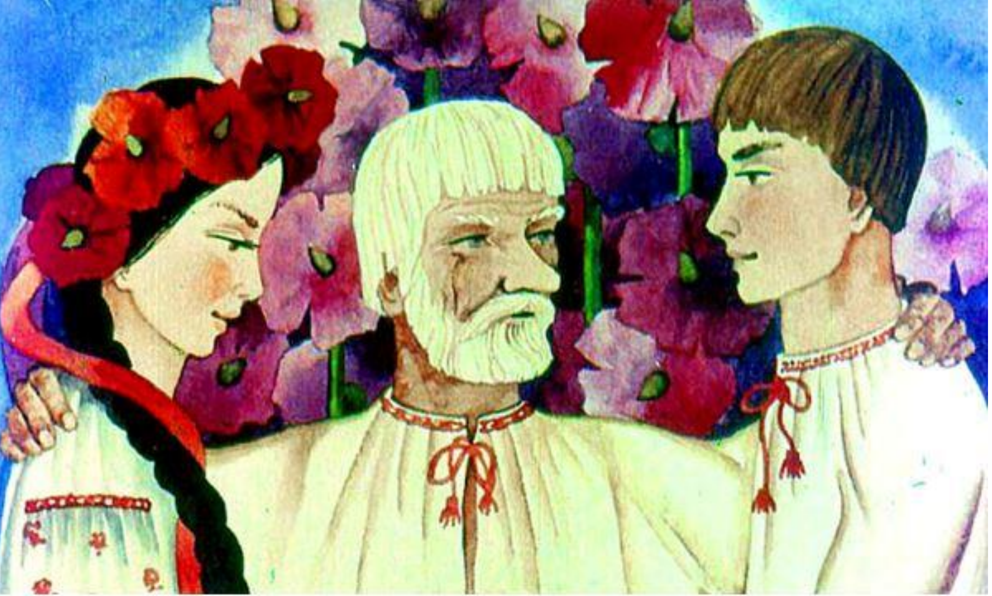
By and by they came to a poor little hut, and out of it stepped a girl dressed in rags but as pretty as a star at dawn.

धीरे-धीरे वे एक छोटी गरीब झोपड़ी के पास पहुंचे और उसमें से एक लड़की निकली जो फटे-पुराने कपड़े पहने हुए थी, लेकिन भोर के समय वो एक तारे की तरह सुंदर लग रही थी.



"I wish I had that girl for a wife!" said the youngest brother. "We would work together and share what we earned with those poorer than ourselves."

"काश वो लड़की मेरी पत्नी बन पाती!" सबसे छोटे भाई ने कहा. "फिर हम एक साथ मिलकर काम करते और जो कुछ भी हम कमाते उसे गरीबों के साथ साझा करते."



"Very well, if that is what you want, my son!" the old man said. "Only mind, never stray from the path of virtue!"

He married off the third brother and went on his way.

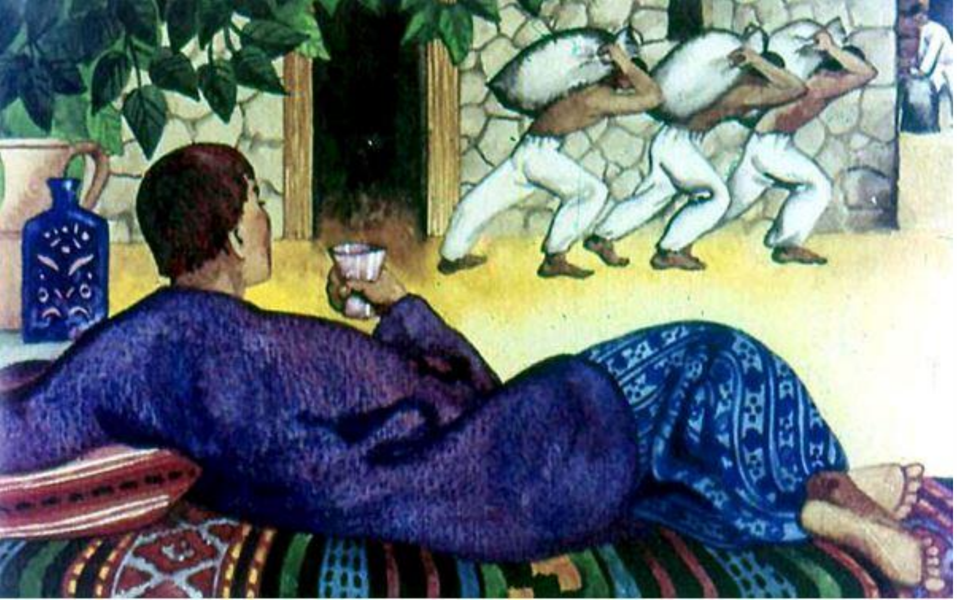
"बहुत अच्छा, अगर तुम यही चाहते हो, मेरे बेटे!" बूढ़े ने कहा. "लेकिन अपना मन कभी भी सदाचार के मार्ग से मत हटाना!"

फिर बूढ़े ने तीसरे भाई की भी शादी कर दी और फिर वो अपने रास्ते चला गया.



Several years went by, and the eldest brother became so rich that he built himself several houses and saved up some money besides, and all he thought about was how to make more and more. But he was a miser at heart and never gave the needy a thought.

कई साल बीत गए. सबसे बड़ा भाई बहुत अमीर बन गया. उसने अपने लिए कई घर बनाए. इसके अलावा उसने काफी पैसे भी बचाए. अधिक से अधिक कमाई कैसे हो, वो हमेशा उसके बारे में सोचता था. लेकिन वो दिल से कंजूस था और वो जरूरतमंदों के बारे में कभी नहीं सोचता था.



The middle brother too prospered. He stopped working altogether, hired others to do his work for him, ordered them about and spent the days lolling in bed and gorging himself on food and drink.

मंझला भाई भी बहुत अमीर बना. उसने खुद पूरी तरह से काम करना बंद कर दिया. उसने काम करने के लिए दूसरे लोगों को नौकरी पर रखा. वो अपने नौकरों को आदेश देता था और खुद बिस्तर पर लेटकर ऐश करता और खाना-पीना खाता था.



But as for the younger brother, he led a very modest life and was always ready to share whatever he had with others.

लेकिन जहां तक छोटे भाई की बात थी, उसने बहुत संयम का जीवन जिया और उसके पास जो कुछ भी था उसे वो दूसरों के साथ बांटने के लिए हमेशा तैयार रहता था.



Now, the old man with the white beard had been walking round the world ever since he had parted with his foster sons, and he thought he would go and pay them a visit and see how they fared. He dressed himself in rags and went to see the eldest brother first. Finding him in his front yard, he said with a bow:

"Please, kind sir, won't you give an old man something to eat?"

"Stop pretending, you're not so old that you can't work and make a living!" said the eldest brother. "I haven't been standing on my own two feet long enough to help anyone!"

And though he had more than he knew what to do with, stone houses, barns stocked with grain, storerooms full of food and clothing, and plenty of money besides, he sent the old man away empty-handed.

सफेद दाढ़ी वाला बूढ़ा आदमी अपने सौतेले पुत्रों से अलग होने के बाद दुनिया भर में घूमता रहा. फिर उसने सोचा कि वो अपने बेटों से मिलने जाएगा और देखेगा कि वे कैसे अपना जीवन जी रहे हैं. उसने एकदम फटे-पुराने कपड़े पहने – एक भिखारी का वेश बनाया और सबसे पहले बड़े भाई से मिलने गया. बूढ़ा उससे आंगन में मिला. उसने सिर झुकाकर कहा:

"कृपया, दयालु महोदय, क्या आप एक बूढ़े आदमी को कुछ खाने को नहीं देंगे?"

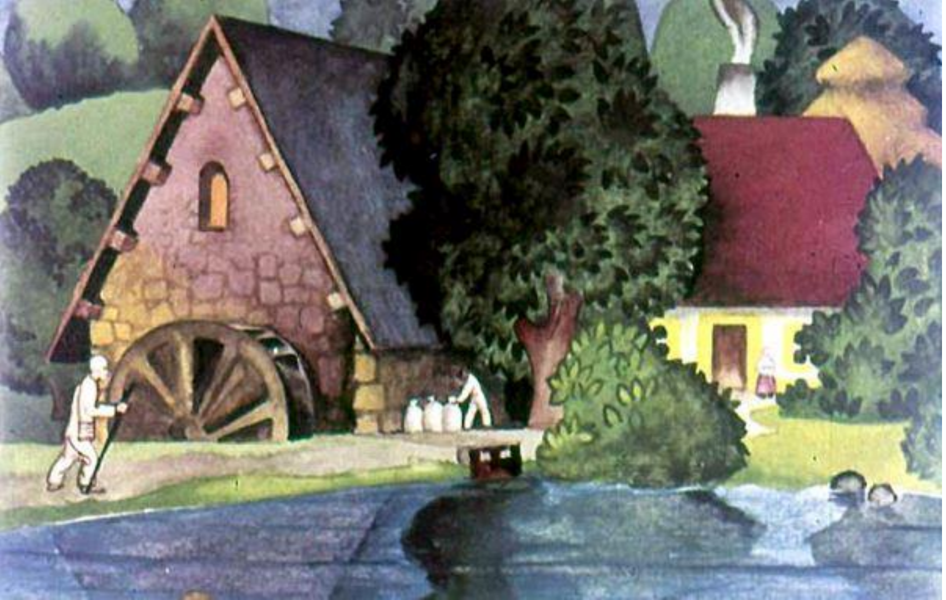
"दिखावा करना बंद करो, तुम इतने बूढ़े नहीं हो कि तुम काम करके अपनी आजीविका न कमा सको!" सबसे बड़े भाई ने कहा. "मैं अभी भी किसी की मदद के लायक सक्षम नहीं बन पाया हूं!"

और यद्यपि उसके पास जितना था वो बहुत अधिक था, पत्थर के घर, अनाज से भरे खलिहान, भोजन और कपड़ों से भरे भंडार, और इसके अलावा बहुत सारा पैसा, उसने बूढ़े आदमी को खाली हाथ भेज दिया.



Off went the old man, and when he had gone a mile or so, he glanced back at his foster son's house and farm, and they burst into flames and burnt to the ground.

बूढ़ा आदमी चला गया. जब वो लगभग एक मील आगे गया, तो उसने अपने सौतेले बेटे के घर और उसके खेत पर अपनी नज़र डाली, और वे आग की लपटों में जलकर ख़ाक हो गए.



The old man did not stop but went to see the middle brother, who now had not only the mill but a rich farm besides.

बूढ़ा आदमी वहां नहीं रुका बल्कि वो मंझले भाई से मिलने गया, जिसके पास अब न केवल चक्की थी बल्कि उसके अलावा एक लहलहाता खेत भी था.



He found him at the mill and said with a bow:

"Please, kind sir, let a poor old man have a handful of flour! I am hungry and sick."

"I haven't enough for myself even!' said the middle brother. There's no end of loafers like you about! Do you expect me to feed you all?"

बूढ़ा उसे चक्की में मिला और उसने सिर झुकाकर कहा:

"कृपया दयालु महोदय, एक गरीब बूढ़े आदमी को एक मुट्ठी आटा खाने को दीजिए! मैं भूखा हूं और बीमार हूं."

"मेरे पास खुद के लिए भी पर्याप्त खाना नहीं है!" बीच वाले भाई ने कहा. "तुम जैसे आवारा लोगों का कोई अंत नहीं है! क्या तुम उम्मीद करते हो कि मैं तुम जैसे सब लोगों को खाना खिलाऊंगा?"



Off went the old man, and when he had gone only a little distance, stopped and glanced back, and the house, mill and farm caught fire and went up in smoke.

फिर बूढ़ा आदमी वहां से चला गया. थोड़ी दूर जाने के बाद वो रुका और उसने पीछे मुड़कर देखा. फिर मंझले भाई की चक्की और खेत आग में जलकर भस्म हो गए.



Still disguised as a beggar, the old man now went to see the youngest brother who lived very modestly and whose hut, though neat and clean, was small and poor.

अंत में भिखारी के वेश में बूढ़ा आदमी सबसे छोटे भाई से मिलने गया. वो बड़ी शालीनता से रहता था. उसकी झोपड़ी छोटी और गरीब होने के बावजूद एकदम साफ-सुथरी थी.

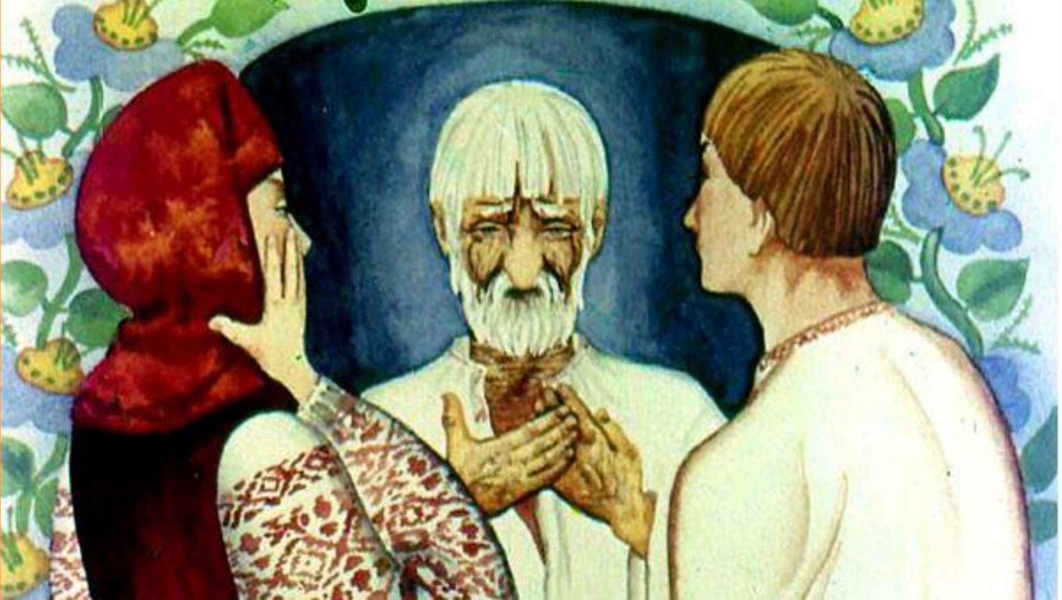


"Please, kind sir, do give me a crust of bread to eat!" said the old man.

"Go into the house, Grandpa, and you'll be fed and given some food to take along with you," said the youngest brother.

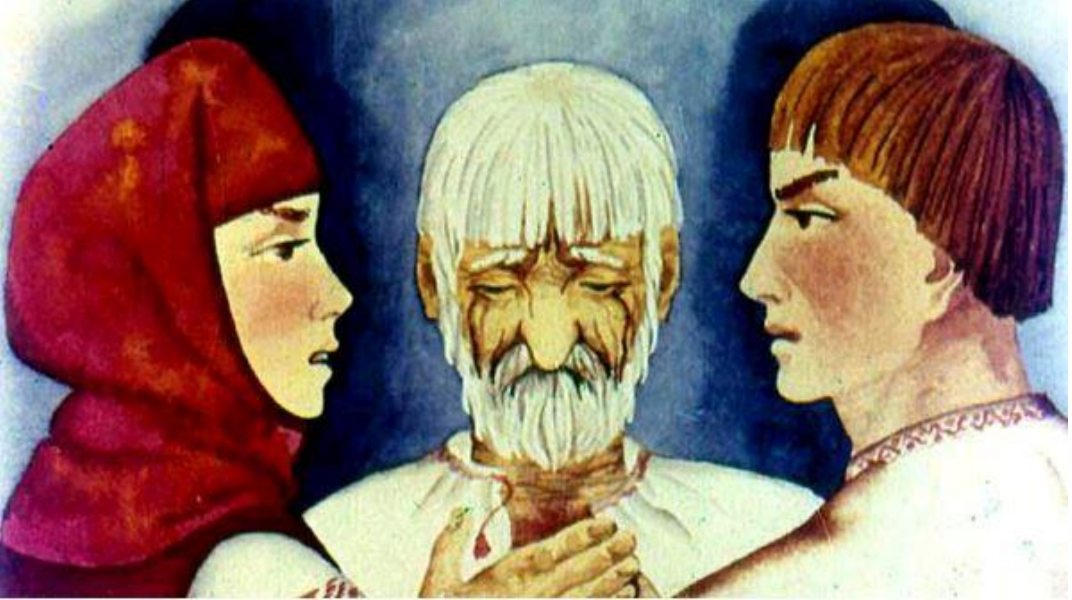
"कृपया दयालु महोदय, मुझे खाने के लिए रोटी का एक टुकड़ा अवश्य दें!" बूढ़े ने भीख मांगी.

सबसे छोटे भाई ने कहा, "आप घर में आएं, दादाजी, हम आपको खाना खिलाएंगे और साथ में ले जाने के लिए भी आपको कुछ भोजन देंगे."



The old man went inside, and, seeing him dressed in rags, the youngest brother's wife took pity on him and brought out some clothes for him to wear.

बूढ़ा आदमी झोपड़ी के अंदर गया. बूढ़े के कपड़े देखकर सबसे छोटे भाई की पत्नी को उस पर दया आई और वो उसके पहनने के लिए कुछ नए कपड़े लाई.



As he was putting them on, she and her husband noticed that he had a festering wound on his chest, and after seating him at the table and giving him food and drink, they asked him about it.

"I won't hide from you that I don't think I will live much longer," said the old man.

"Can't anything be done?" they asked.

"It can. Almost anyone could help me, but none will."

"Why won't they? Tell us what to do and we'll do it," the youngest brother offered.

"Well, you'd have to burn down your house with everything in it and sprinkle my wound with the ashes. Nothing else will help," said the old man. "And who would want to save my life at such a cost to himself!"

जब वो कपड़े पहन रहा था, तो महिला और उसके पति ने देखा कि बूढ़े की छाती पर एक घाव था. बूढ़े को खाने की मेज पर बैठाने और उसे खाना और पेय देने के बाद, उन्होंने उससे घाव के बारे में पूछा.

बूढ़े व्यक्ति ने कहा, "मैं तुमसे कुछ नहीं छिपाऊंगा. मुझे नहीं लगता है कि मैं अधिक समय तक जीवित रहूँगा."

"क्या हम उसके बारे में कुछ कर सकते हैं?" दम्पति ने पूछा.

"ज़रूर. जो कोई भी चाहे वो मेरी मदद कर सकता है, लेकिन कोई भी वैसा करेगा नहीं."

"लोग क्यों नहीं मदद करेंगे? कृपा हमें बताएं कि क्या करना है और हम वो ज़रूर करेंगे," सबसे छोटे भाई ने पेशकश की.

"ठीक है, उसके लिए तुम्हें अपने घर को पूरे सामान सहित जलाना होगा और उसकी राख मेरे घाव पर छिड़कनी होगी. और कोई भी इलाज काम नहीं करेगा," बूढ़े व्यक्ति ने कहा. "अब बताओ भला कौन अपना घर जलाकर मेरी जान बचाना चाहेगा!"



The youngest brother fell silent. He thought for a long time and then turned to his wife.

"What do you say, wife?" he asked.

"We can always build a new house, but once a man is dead he won't come back to life again," she said.

"Well, then, there is nothing more to be said!"

सबसे छोटा भाई चुप रहा. वो बहुत देर तक सोचता रहा और फिर वो अपनी पत्नी की ओर मुड़ा.

"तुम क्या कहती हो, पत्नी?" उसने पूछा.

पत्नी ने कहा, "हम दुबारा एक नया घर बना सकते हैं, लेकिन एक बार अगर कोई व्यक्ति मर जाए तो वो फिर दोबारा जीवित नहीं हो सकता है."

"ठीक है, उसके अलावा कहने के लिए और कुछ और बचा ही नहीं है!"



They carried their children out of the house, and the youngest brother stopped and looked back at it. The thought of losing it pained him, but such was his compassion for the old man that he lit a splinter of wood and held it to the straw-thatched roof.

The house caught fire at once and was swallowed by flame, but no sooner had it burnt down than another, far bigger and richer, appeared in its place.

वे अपने बच्चों को घर से बाहर लाए. फिर सबसे छोटा भाई ने एक बार पीछे मुड़कर अपनी झोपड़ी को निहारा. घर खोने के विचार से उसे ज़रूर दुख हुआ, लेकिन उस बूढ़े व्यक्ति के प्रति उसकी करुणा इतनी अधिक थी कि उसने एक लकड़ी जलाई और वो घास-फूस की छत पर रख दी.

घर में तुरंत आग लग गई और आग ने घर को पूरी तरह से अपनी चपेट में ले लिया. लेकिन जैसे ही वो झोपड़ी जली, उसके स्थान पर एक दूसरा, कहीं बड़ा और आलीशान घर प्रकट हो गया.



The old man smiled. "I can see, my son, that you are the only one of your brothers who knows the meaning of virtue," he said. "May good fortune be with you always!"

The youngest brother now saw that the man he had thought a beggar was none other than his foster father. He rushed to him, but the old man vanished and was seen no more.

बूढ़ा मुस्कुराया.

"मैं देख सकता हूं, मेरे बेटे, कि तुम अपने भाइयों में से एकमात्र ऐसे निकले जिसने सदाचार और परोपकार का सही अर्थ समझा," बूढ़े ने कहा. "तुम्हारा भाग्य हमेशा उज्जवल रहेगा!"

अब सबसे छोटे भाई को समझ में आया कि जिस आदमी को वो भिखारी समझ रहा था वो कोई और नहीं बल्कि उसका सौतेला पिता था. वो बूढ़े के पास दौड़ा हुआ गया, लेकिन तब तक बूढ़ा आदमी गायब हो गया और वो फिर कभी दिखाई नहीं दिया.